समेकित परती भूमि विकास परियोजना

719. **श्री आस मोहम्मद:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने समेकित परती भूमि विकास योजना के अंतर्गत शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों की सफलता के लिए लोगों से इसमें भाग लेने के लिए कहा है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान लोगों की भागीदारी से किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में प्राप्त सफलता का ब्यौरा क्या है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय (परती भूमिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री (कर्नल राम सिंह): (क) से (ग) बंजभूमि विकास विभाग, ग्रामीण क्षेत्र एंव रोजगार मंत्रालय समेकित बंजरभूमि विकास परियोजना स्कीम कार्यान्वित कर रहा है तथा समेकित परती भूमि विकास परियोजना नामक कोई योजना नहीं है, योजना के उद्देश्य ये हैं:—

1. लकड़ी और गैर-लकड़ी वाले वन उत्पादों विशेषकर ईंधन की लकड़ी और चारे की उपलब्धता में वृद्धि करना।

2. समाज के अत्यन्त जरूरतमंद वर्गों विशेषकर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लोगों तथा भूमिहीन ग्रामीण मजदूरों के लिए रोजगार सृजन करना।

3. ग्रामस्तरीय कार्ययोजनायें तैयार करने तथा बंजरभूमि विकास कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु सूक्ष्म-स्तलीय-आयोजना पद्धति प्रदर्शित करना।

4. समस्या वाली विभिन्न प्रकार की भूमि में प्रमाणित प्रौद्योगिकियों का विस्तार करना तथा इनका प्रचार-प्रसार करना।

5. विभिन्न तंत्रों के जरिए बंजरभूमि विकास कार्यक्रम के सभी चरणों में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना ताकि मध्यम अवधि और अंतिम वन उत्पादों का समान वितरण सुनिश्चित हो सके।

6. भूमि के निम्नीकरण को रोकना।

7. लोगों के हित में सततता और पर्यावरण संरक्षण के व्यापक उद्देश्यों को पूरा करना।

समेकित बंजरभूमि विकास परियोजना स्कीम के अंतर्गत भूमि पर आधारित विभिन्न गतिविधियां जैसे वनरोपण, वन्य-चारागाह विकास, चारागाह विकास, बागवानी, बीजांकुरों का वितरण, सीटू भूमि पर ईंधन की लकड़ी की बचत करने वाले यंत्रों का वितरण तथा नमी संरक्षण, जन जागृति करना आदि चलाई जाती हैं। समेकित बंजरभूमि विकास परियोजना योजना के तहत स्वीकृत की जाने वाली सभी परियोजनायें स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय सलाह-मशविरा करके विस्तृत सूक्ष्म स्तरीय आयोजना के पश्चात् स्वीकृत की जाती हैं। इस योजना के अन्तर्गत जुलाई, 1992 जब इस नये विभाग की स्थापना की गई थी, से लेकर अब तक बंजरभूमि विकास विभाग ने 128 परियोजनायें मंजूर की हैं। परियोजना को कार्यरूप देने, प्रबंधन करने तथा इसके भोगाधिकार में लोगों को शामिल किया जाता है। इस परियोजना की निगरानी और मूल्यांकन नियमित आधार पर किया जा रहा है। निगरानी और मूल्यांकन रिपोर्टों के विश्लेषण से यह कहा जा सकता है कि:

(क) समेकित बंजरभूमि विकास परियोजना स्कीम के अंतर्गत परियोजनायें प्रायः सूखे की परिस्थिति वाली अत्यधिक निम्नीकृत भूमि पर विविध कृषि जलवायु की परिस्थिति वाले जिलों में कार्यान्वित की जा रही हैं। इस प्रकार से इन परियोजनाओं की भौतिक प्रगति एक समान नहीं है।

(ख) कार्यान्वित किये जाने वाले कार्य की प्रगति कुल मिलाकर संतोषजनक है।

(ग) कुल मिलाकर इन परियोजनाओं में वाटरशैड नीति अपनाई गई है हालांकि इसमें कुछ सुधार करने की गुंजाइश हो सकती है।

(घ) लोगों की भागीदारी कहीं बहुत उत्साहवर्धक है और कहीं संतोषजनक है।

(ङ) घास के रूप में ग्रामीण लोगों को मिलने वाले भोगाधिकार का प्रवाह संतोषजनक है।

Additional Grants to Kidwai Institute of Oncology, Bangalore

*720. SHRI B.K. HARIPRASAD: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether any request has been received from the Government of Karnataka for additional grants to Kidwai Institute of Oncology, Bangalore for installation of Cobalt Machines, Low Energy Accelerator and Spect Gamma Camera;